

**रसालिका वि.स्त्री.** (तत्.) 1. रस से भरी, रसपूर्ण, रसयुक्त, मृदु, मधुर 2. अंबिया, सप्तला, सातला 3. सुंदरता, प्रसन्नता, हर्ष।

**रसाली स्त्री.** (तत्.) 1. पौंढा, गन्ना पुं. देश. रसिक व्यक्ति, भोग-विलास में सुख प्राप्त करने की वृत्ति वाला व्यक्ति।

**रसाव पुं.** (देश.) रसने की क्रिया या भाव, टपकने की क्रिया, जोतकर तथा हेंगा चलाकर खेत को यथावत् छोड़ देना।

**रसावल स्त्री.** (तद्.) गन्ने के रस में पकाई गई खाद्य वस्तु या चावल की खीर।

**रसावेश पुं.** (तत्.) रस, प्रेम का आवेश।

**रसासव पुं.** (तत्.) 1. फल-फूल के रसों का अर्क (काढ़ा) 2. प्रेम का आसव, आनंद की मादकता।

**रसास्वादन वि.** (तत्.) काव्य. रस का आस्वादन करना, मधुर आदि रसों का चखना, आनंद लेना, शृंगार आदि काव्य-रसों में से किसी की अनुभूति, काव्य रसानुभूति।

**रसिक वि.** (तत्.) काव्य. 1. रस का आस्वादन करने वाला, सहृदय (काव्य-साहित्य तथा कला सौंदर्य आदि के प्रति अनुराग रखने वाला तथा उससे सुखानुभूति करने वाला रसिक माना जाता है) 2. सुंदर, गुणग्राही 3. शृंगारी प्रवृत्ति वाला 4. हास्य मनोरंजन करने वाला।

**रसिकता स्त्री.** (तत्.) 1. रसिक होने की भावना 2. हास्य-मनोरंजन की भावना।

**रसिकबिहारी पुं.** (तत्.) रसिकों में श्रेष्ठ श्रीकृष्ण टि. प्रेम और सौंदर्य के वातावरण की सृष्टि कर उसमें विचरण करने के कारण श्रीकृष्ण को रसिक बिहारी माना जाता है।

**रसिकाई स्त्री.** (तद्.) रस (आनंद) से पूर्ण का भाव, रसिकता।

**रसिकेश्वर पुं.** (तत्.) रसिकों में प्रमुख या श्रेष्ठ, श्रीकृष्ण।

**रसित वि.** (तत्.) 1. जो रस युक्त है या रससिक्त है 2. आनंद रस से पूर्ण 3. ध्वनि करने वाला 4. रसास्वादित पुं. मदिरा, भयंकर ध्वनि।

**रसिया वि.** (तत्.+तद्.) रसिक, रसास्वादन करने वाला पुं. रसास्वादन की रुचि वाला व्यक्ति टि. बातचीत में प्रेमपूर्ण मनोरंजन कर हास्य आनंद की सृष्टि करने वाला व्यक्ति रसिया कहलाता है, इसी प्रकार नाटक आदि में रस पूर्ण बातें करने वाला विदूषक भी रसिया के रूप में जाना जाता है 2. कामुक व्यक्ति 3. लोकगीत का एक भेद जो होली या आनंद के पर्व पर ब्रज आदि प्रदेश में गाया जाता है।

**रसीद स्त्री.** (फा.) 1. प्राप्ति-स्वीकृति से संबंधित पत्र, प्राप्ति-पत्र 2. किसी वस्तु या धन की प्राप्ति के विवरण वाला पत्र, जिस पर प्रमाण के रूप में प्राप्तकर्ता के हस्ताक्षर हों मुहा. रसीद करना- थप्पड़ मारना; रसीद काटना- प्राप्ति स्वीकृति लिखकर देना।

**रसीदी पुं.** (फा.) 1. प्राप्ति स्वीकार का पत्र, पहुँचनामा पत्र 2. पहुँचनामा पत्र में विश्वस्तता के लिए लगाया जाने वाला टिकट-रसीदी टिकट।

**रसीला वि.** (तद्.) 1. रस से भरा, स्वादिष्ट आनंददायक (भोजन आदि), मीठा, सुखद 2. आनंद लेने वाला मौजी, भोग विलास में प्रवृत्त या भोग विलास की बात करने वाला

**रसूम पुं.** (अर.) 1. (अनेक) नियम या कानून 2. प्रचलित नियम या प्रथा के पालन में दिया जाने वाला धन या नेग।

**रसूल पुं.** (तत्.) देवदूत, ईश्वर का पैगंबर।

**रसेंद्र पुं.** (तत्.) पारा, राजमा, लोबिया।

**रसेश्वर पुं.** (तत्.) 1. छह भारतीय दर्शनों के अतिरिक्त एक अन्य दर्शन शैव दर्शन 2. पारा।

**रसेस पुं.** (तद्.) रसेश, रसों के स्वामी श्रीकृष्ण।

**रसोइया पुं.** (तद्.) रसोई बनाने वाला, पाचक।

**रसोई स्त्री.** (तद्.) 1. पकाया गया भोजन (विशेष-चावल, दाल, रोटी आदि के भोजन को कच्ची